31-01-2019

प्रेस विज्ञप्ति

आज दिनांक 31 जनवरी 2019 को इंडियन मनोरोग सोसाइटी का 71वां राष्ट्रीय वार्षिक सम्मेलन का शुभारंभ भारतीय मनोरोग विज्ञान विभाग के केंद्रीय आंचलिक शाखा, किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय तथा नूर मंजिल मनोरोग केंद्र, लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान, गोमती नगर में हुआ। इस अवसर पर सी0एम0ई0 का शुभारंभ चिकित्सा विश्वविद्यालय के मा0 कुलपति प्रो0 एम0एल0बी0भटट्, आई0पी0एस0 एसोसिएशन के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं वरिष्ठ मनोचिकित्सक ने दीप प्रज्जवलित कर किया। इस अवसर पर सी0एम0ई0 के चेयरपर्सन डॉ0 टोफान ने समारोह में उपस्थित अतिथिगण को सी0एम0ई0 कार्यक्रम के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

उक्त कार्यक्रम को संबोधित करते हुए चिकित्सा विश्वविद्यालय के मा0 कुलपति प्रो0 एम0एल0बी0भटट् एवं डॉ0 अजीत भिड़े ने बताया कि देश में मानसिक बीमारी के मरीजों की संख्या में तेजी से बढ़ोतरी हो रही है, जिससे निपटने के लिए मनोचिकित्कों को अपने संसाधन एवं क्षमताओं को बढ़ाना होगा। उन्होंने कहा कि मनोरोग को चिकित्सा शिक्षा में अधोस्नातक पाठ्यक्रम में एक अनिवार्य विषय के रूप में शमिल किया जाना चाहिए।

सी0एमए0ई के पहले दिन बंगलुरू के वरिष्ठ मनोचिकित्सक डॉ0 वेंकट सुब्रमणियम ने "THE CURRENT TREND IN TREATMENT OF SCHIZOPHRENIA AND FUTURE POSSIBILITIES" पर एक व्याख्यान दिया। उन्होंने बताया कि यह बीमारी एक गंभीर प्रकार का मानसिक रोग है और इस बीमारी से पीड़ित लोगों की संख्या में दिन प्रतिदिन बढ़ोतरी हो रही है। उन्होंने बताया कि इस बीमारी के जल्द से जल्द इलाज भविष्य में विकलांगता से बचाता है। इस अवसर पर सुप्रसिद्ध मनोविश्लेषक एवं लेखिका डॉ0 सुधीर कक्कड़ ने मनोचिकित्सकों के लिए मनोविश्लेषण की समकालीन प्रासंगिकता पर चर्चा करते हुए बताया कि ख्यातिप्राप्त सामाजिक कार्यकर्ता एवं मैगसेसे पुरस्कार विजेता मनोचिकित्सक डॉ0 भरत वाटवानी ने देश में बेसहारा और बेघर व्यक्तियों के मानसिक स्वास्थ्य और पुनर्वास का मुद्दा उठाया। यह स्वास्थ्य सेवाओं के नजरिए से अपेक्षाकृत उपेक्षित तबका है और उन्होंने इस पर तत्काल ध्यान दिए जाने पर जोर दिया।

उक्त कार्यक्रम में निमहांस, बंगलुरू के वरिष्ठ मनोचिकित्सक डॉ0 बी0एन0गंगाधर ने भारतीय परंपरा और मनोरोग पर चर्चा की । उन्होंने अमेरिका के जॉन हॉपकिंस विश्वविद्यालय की सुप्रसिद्ध मनोचिकित्सक डॉ0 गीता जयराम का जिक्र करते हुए कहा कि उनका मानना है कि मानसिक स्वास्थ्य की देखभाल के क्षेत्र में सामुदायिक हस्तक्षेप आवश्यक है। उक्त कार्यक्रम में निमहांस, बंगलुरू के डॉ0 चितरंजन अंडराडे, कोलकाता के डॉ0 देबाशीष सान्याल, एम्स के डॉ0 कौशिक सिन्हा देब ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

इस अवसर पर के0जी0एम0यू0 के मानसिक रोग विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ0 पी0के0दलाल, के0जी0एम0यू0 के मानसिक रोग विभाग के डॉ0 आदर्श त्रिपाठी, डॉ0 सुजीत कुमार और डॉ0 ईशा शर्मा "Cognitive BehaviourTherapy In Social Anxiety Disorder" पर चर्चा की। इस अवसर पर मनोचिकित्सक डॉ0 मलय दीपक दवे ने क्वीजमास्टर प्रश्नोउत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया।